सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, शनिवार, 01 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 290, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12

स्मार्टफोन से रहें दूर, अच्छी पुस्तकें होती हैं सच्ची साथीः सीएम योगी

इनसाइड अश्लील रील बनाने के खिलाफ घाटमपुर में उठी आवाज... » Pg02

आंध्र प्रदेशः वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़, दस की मौत

भयावह मंजर, हाथों में पूजा की टोकरी, मदद के लिए चिल्लाते रहे लोग, पीएम मोदी ने जताया दुःख

पीएमओ ने की मृतकों को दो लाख, घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगदड़ पर दुख जताते हुए कहा कि वे इस घटना से व्यथित हैं। उन्होंने अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति गहरी संवेदना जाहिर की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान में पीएम मोदी के हवाले से कहा गया, मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द ठीक हो जाएं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि पीएमएनआरएफ से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की सहायता राशि और घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।

» एक-दूसरे को सीपीआर देते, हाथ रगड़ते दिखे लोग।

» श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश), एजेंसी।

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को एकादशी के अवसर पर भगदड़ मच गई, जिसकी चपेट में आने से 10 लोगों की मौत हो गई। दर्जनों लोग घायल भी हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के परेशान करने वाले वीडियो सामने आए हैं, जिनमें संकरी गलियारे की रेलिंग पर फंसे लोग भागने की कोशिश करते दिख रहे हैं। कई महिलाएं पूजा की टोकरी लिए चीखते-चिल्लाते मदद मांगती नजर आ रही हैं। एक अन्य फुटेज में घायलों को एम्बुलेंस से ले जाते देखा जा सकता है।

जानकारी मुताबिक, शनिवार को वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में एकादशी के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंची थी। बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर के प्रवेश द्वार के पास अचानक भीड़ का दबाव बढ़ गया, जिससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। सूत्रों के अनुसार, घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। काशीबुग्गा सब डिवीजन के डीएसपी लक्ष्मण राव ने बताया कि, काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में सुबह करीब 11.30 बजे भगदड़ मच गई और 10 लोगों की मौत हो गई तथा दो अन्य घायल हो गए।

यह भगदड़ तब हुई जब एकादशी के मौके पर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ हो गई। वीडियो में महिलाएं भगदड़ से बचने के लिए रेलिंग पर चढ़ने की कोशिश करती दिख रही हैं। उनमें से कई मदद के लिए रोती हुई सुनाई दे रही हैं, जबकि कुछ आदमी उन्हें सुरक्षित निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ तस्वीरों में रिश्तेदार पीड़ितों को सीपीआर देने की कोशिश करते और उनकी हथेलियां रगड़ते हुए भी दिखते हैं।

एंट्री-एग्जिट एक ही क्यों था, कौन है हादसे का जिम्मेदार?

जांच में सामने आया है कि एंट्री और एग्जिट एक ही रास्ता था। जहां पर ये हादसा हुआ, वहां निर्माण कार्य चल रहा था। मंदिर प्रबंधन या आयोजकों ने इस आयोजन के लिए राज्य सरकार या स्थानीय प्रशासन से कोई अनुमति नहीं ली थी। यह मंदिर निजी प्रबंधन के अधीन संचालित होता है और एंडॉमेंट्स डिपार्टमेंट (देवालय विभाग) के अंतर्गत नहीं आता। सरकार या जिला प्रशासन को इस आयोजन की कोई जानकारी नहीं दी गई। किसी प्रकार की क्राउड मैनेजमेंट प्लानिंग नहीं की गई। पुलिस बल, मेडिकल टीम या आपातकालीन सेवाओं को पहले से अलर्ट नहीं किया गया। यह हादसा कई गंभीर सवाल खड़े करता है. घटना के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या बिना सरकारी सूचना के इतना बड़ा आयोजन करना ठीक है? निजी मंदिर प्रबंधन ने सेफ्टी ऑडिट क्यों नहीं कराया? निर्माणाधीन स्थल पर भीड़ जमा होने दी क्यों गई? एंट्री-एग्जिट एक जैसा क्यों था?

मुख्यमंत्री ने जताया शोक

घटना पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख व्यक्त किया है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पोस्ट किया, श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़ की घटना दुखद है। इस दुखद घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु अत्यंत हृदयविदारक है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने अधिकारियों को घायलों को शीघ्र और उचित उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय अधिकारियों से कहा है कि वे घटनास्थल का दौरा करें। घटना को लेकर उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने दुख जताते हुए कहा कि यह निजी मंदिर है और बिना परमिशन बड़ी संख्या में भीड़ इकट्ठा की गई। यह गंभीर लापरवाही है इसकी व्यापक जांच होगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मिला इंसाफ

चकनाचूर हो गई थी मासूम के सिर के नीचे की बाईं हड्डी

सात साल की बच्ची से रेप के बाद बहन को मारने वाले वहशी को मिला मृत्युदंड

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

शाहजहांपुर। मासूम बच्ची से दुष्कर्म और छोटी बहन की हत्या के मामले में दोषी अनिल उर्फ चमेली को मृत्युदंड देते हुए अदालत ने अपने फैसले में कहा कि ऐसी घटनाएं समाज के विश्वास को तोड़ती हैं। यही वजह है माता-पिता बच्चों को किसी परिचित के साथ भी भेजने में संकोच करते हैं। ऐसे में बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि दोषी ने सात वर्ष की मासूम से दुष्कर्म के बाद उसके सिर पर जान से मारने के लिए खंती से प्रहार किया। इसके बाद अपना अपराध छिपाने के लिए उसकी छोटी बहन के सिर पर इतनी क्रूरता से प्रहार किया कि उसके सिर और बाईं ओर आंख के नीचे की हड्डी टूट गई।

केवल अपनी हवस के लिए दोषी का आचरण अत्यधिक क्रूर और निर्दयी था। पीड़िताएं निर्दोष, असहाय थीं। दोषी अक्सर गांव के बच्चों को खाने के लिए शहद देता था। इसीलिए पीड़िताएं बिस्कुट और शहद के लालच में उसके साथ चली गई थीं। दोषी ने घटना बिना किसी प्रकोपन के सुनियोजित, अत्यंत जघन्य और क्रूर तरीके से की। अदालत ने कहा कि पीड़िताओं के साथ ही गांव के अन्य लोग भी दोषी पर विश्वास करते थे, क्योंकि वह अक्सर गांव में आता-जाता रहता था। इस वजह से जब उन लोगों ने उसे दोनों पीड़िताओं को ले जाते हुए देखा तो किसी ने विरोध नहीं किया।

दोषी के इस कृत्य से समाज में इस प्रकार के विश्वास की भी कमी आएगी कि कोई व्यक्ति अपने बच्चे को किसी परिचित के साथ भेजने में भी संकोच करेगा। ऐसा करने से समाज में वृद्धि की ओर अग्रसर हो रहे बच्चों

का सामाजिक एवं मानसिक विकास विपरीत रूप से प्रभावित होगा।

एक पिता से उसकी बेटी को हमेशा के लिए अलग कर दिया

दोषी ने एक मां की गोद को उजाड़ा है, एक भाई से उसकी बहन को छीना है तथा एक पिता से उसकी बेटी को हमेशा के लिए अलग कर दिया है। बच्ची बड़ी होकर समाज में कितना बड़ा योगदान दे सकती थी, दोषी ने समाज को उससे भी वंचित किया है। सात वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म के अपराध ने समाज को भी कलंकित करने का कार्य किया है।

जिस बच्ची ने अभी जमीन पर कदम रखे ही थे और जिसके अभी खेलने-कूदने की उम्र थी, उसके साथ दोषी के यौन अपराध ने उसके सारे सपनों को चकनाचूर कर दिया तथा उसके मां-बाप के भी सारे अरमानों को कुचल दिया है। हम जिस समाज में रह रहे हैं, उस समाज में ऐसी परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है। थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाला पीड़ित परिवार बहुत गरीब है। पिता ने अदालत के फैसले के बाद न्याय मिलने पर संतुष्टि जताई है। उन्होंने कहा अदालत पर पूरा भरोसा था। उन्हें और उनकी बच्चियों को न्याय मिला है।

अश्लील रील बनाने के खिलाफ घाटमपुर में उठी आवाज़, पब्लिक बोली अब बस!

फेमस होने की होड़ में मर्यादाओं को तार-तार कर रहे युवा, विरोध में उतरे स्थानीय युवक

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर कस्बा अब एक अनोखे अखाड़े में तब्दील हो गया है। यहां एक ओर वे लोग हैं जो सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लीलता का विरोध कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो सार्वजनिक स्थलों पर खुलेआम अश्लील कंटेंट बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे हैं। घाटमपुर चौराहे से गुजरने वाला ओवरब्रिज इन दिनों रीलबाज़ों का नया अड्डा बन चुका है। यहां युवक और युवतियां दिन-रात इंस्टाग्राम व यूट्यूब के लिए वीडियो बनाते देखे जा सकते हैं। इनका उद्देश्य सिर्फ एक है सस्ती लोकप्रियता और सोशल मीडिया पर कुछ सेकंड की प्रसिद्धि हासिल करना।

देश में पहले से ही ब्लू फिल्म और पोर्नोग्राफी का अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा है, वहीं अब सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट बनाकर फेमस होना युवाओं के बीच एक नया ट्रेंड बन चुका है। कई युवा जहां तकनीक, शिक्षा, संस्कृति और राजनीति जैसे गंभीर विषयों पर वीडियो बनाकर सकारात्मक संदेश दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर एक वर्ग ऐसा भी है जो अश्लीलता को मनोरंजन और प्रसिद्धि का माध्यम बना रहा है। घाटमपुर के कुछ जागरूक युवाओं ने अब इस प्रवृत्ति के कंटेंट क्रिएटरों खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उनका कहना है कि यह रील संस्कृति न सिर्फ समाज की मर्यादाओं को तार–तार कर रही है बल्कि नई पीढ़ी के चरित्र और सोच को भी गहराई से प्रभावित कर रही है।

लोगों ने कहा, सख्त कार्रवाई की जाए

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक स्थलों पर रील बनाने की आड़ में अक्सर अनुचित गतिविधियां होती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि घाटमपुर ओवरब्रिज और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह के अश्लील कंटेंट शूट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि कस्बे की छवि को फूहड़ता से नहीं बल्कि संस्कृति और सभ्यता से जोड़ा जा सके।

सुरार की ऊसर भूमि बनी जान की प्यासी ग्राम प्रधान पर हमले से गांव में सनसनी

भू माफियाओं के पक्ष में लेखपाल की रिपोर्ट बनी विवाद की जड़

स्वराज इंडिया
Swaraj India
30 Oct 2025 - Page 3

लेखपाल की सुनियोजित योजना के तहत भूमाफियाओं ने की ग्राम प्रधान से मारपीट

डीएम से शिकायत का अंजाम, सुरार में प्रधान को भू माफियाओं ने बनाया निशाना

ग्राम सुरार में राजस्व तंत्र

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। ग्राम पंचायत सुरार की सरकारी ऊसर भूमि अब जान की प्यासी बन चुकी है। यह वही भूमि है जिसके विवाद में दो दिन पूर्व ग्राम प्रधान पंकज यादव पर भूमाफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया था। ग्राम प्रधान का कहना है कि वह कब्जा रुकवाने मौके पर पहुंचे थे, तभी भूमाफियाओं ने साजिश के तहत उन पर हमला कर दिया। घटना उस भूमि के हिस्से पर हुई जो अराजी संख्या 607, 608, 610 और 613 में शामिल है, लेकिन इतना साफ है कि जिस भूमि को लेकर झगड़ा शुरू हुआ, वही अब पूरे गांव में तनाव का कारण बन गई है।

इस संबंध में प्रधान ने बताया कि कब्जा करने वाले लोगों में राजकुमार, पंकज कछवाहा, अश्वनी और वीरेंद्र शामिल हैं। ये लोग लेखपाल अनिल कुमार की मौजूदगी में सरकारी भूमि पर निर्माण कार्य कर रहे थे। प्रधान ने जैसे ही मौके पर पहुंचकर उन्हें रोकने का प्रयास किया, आरोपितों ने हमला बोल दिया। पंकज कछवाहा ने कट्टा लहराया, जबकि अन्य ने लोहे की रॉड से प्रहार किए। हमले के बाद आरोपितों ने उल्टे ग्राम प्रधान पर ही 1 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप लगाकर अपना बचाव करने की कोशिश की। वहीं प्रधान का आरोप है कि पूरी घटना के पीछे लेखपाल अनिल कुमार की भूमिका संदिग्ध है। उनका कहना है कि अनिल कुमार ने लगभग 25 लाख रुपए की मोटी रिश्वत लेकर भूमाफियाओं के पक्ष में झूठी रिपोर्ट लगाई। उसी रिपोर्ट की वजह से सरकारी भूमि पर कब्जे का रास्ता खुला।

कुछ दिनों पहले ही बुलडोजर कार्रवाई की गई थी

गौरतलब है कि इस भूमि पर नायब तहसीलदार रिचा सचान के नेतृत्व में कुछ दिनों पहले ही बुलडोजर कार्रवाई की गई थी, लेकिन वह कार्रवाई केवल अराजी संख्या 608 के एक छोटे हिस्से तक सीमित रही, जो वीर यादव के कब्जे में था। इसके बाद पूरी भूमि पर पुनः कब्जे का खेल शुरू हो गया। ग्राम प्रधान का कहना है कि उन्होंने पहले भी सदर एसडीएम को शिकायती पत्र देकर वीर बहादुर यादव, महेंद्र यादव और लेखपाल अनिल कुमार पर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन किसी कारणवश उन्होंने अपनी शिकायत वापस ले ली। उसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी कानपुर से शिकायत की जिसके आधार पर ही वह दो दिन पूर्व सरकारी भूमि पर हो रहे निर्माण कार्य को रोकने पहुंचे थे जब उन पर हमला हो गया। अब सवाल उठ रहे हैं कि जब ग्राम प्रधान पर हमला हो गया, तब भी भूमाफियाओं और लेखपाल पर मुकदमा क्यों नहीं लिखा गया? लेखपाल अनिल कुमार को निलंबित करने की जगह विभागीय अधिकारी अब तक खामोश हैं। ग्रामीणों में इस पूरे मामले को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि जब ग्राम प्रधान तक सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिक की जान की क्या कीमत रह गई? ग्रामीण अब पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच और भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इसी भूमि को लेकर ग्राम प्रधान पर हुआ था हमला

सर्राफा दुकान में सेंधमारी 33 लाख का माल चोरी

» **सीसीटीवी में कैद हुए तीन बाइक सवार आरोपी, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य**

» **व्यापारियों ने पुलिस की रात्रि गश्त पर उठाए सवाल, बोले चोर बेखौफ, पुलिस लापरवाह**

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महाराजपुर कस्बे में शनिवार तडक़े चोरों ने एक सर्राफा व्यापारी की दुकान का शटर तोडक़र नकदी और सोने–चांदी के आभूषण समेत करीब 33 लाख रुपये के माल पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद इलाके में हडक़ंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए, जबकि सीसीटीवी कैमरे में तीन बाइक सवार चोरों की करतूत कैद हो गई है।

महाराजपुर निवासी भोलेन्द्र चंद्र की कस्बे में ओम ज्वैलर्स नाम से दुकान है। उनके अनुसार, शुक्रवार रात रोज की तरह दुकान बंद कर वे घर चले गए थे। देर रात बाइक सवार तीन अज्ञात चोर आए और शटर तोडक़र गल्ले में रखे 65 हजार रुपये नकद व सोने–चांदी के गहने लेकर फरार हो गए। सुबह जब भोलेन्द्र दुकान पहुंचे तो टूटा शटर और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए।सूचना पर एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय, स्थानीय पुलिस बल और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है।घटना के बाद व्यापारियों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने पुलिस की रात्रि गश्त व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार हो रही चोरी की घटनाएं सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल हैं। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडेय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टीम बनाई गई है, जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नशे में धुत सिपाही ने एसीपी स्वरूप नगर के मेहमान से की बदतमीजी !

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर की पुलिसिंग पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्वरूप नगर क्षेत्र में शुक्रवार देर रात नशे में धुत एक सिपाही ने अपने ही अधिकारी के मेहमान से अभद्रता कर दी। मामला एसीपी स्वरूप नगर सुमित सुधाकर रामटेके के आवास के बाहर का है।जानकारी के अनुसार, एसीपी सुमित सुधाकर रामटेके के महाराष्ट्र से आए रिश्तेदार शुक्रवार रात लक्ष्मण बाग स्थित उनके सरकारी आवास के बाहर खाना खाने के बाद टहल रहे थे। इसी दौरान डीसीपी ईस्ट एस्कॉर्ट में तैनात सिपाही अंकुर और उसका साथी प्रवीण नशे में धुत होकर वहां पहुंचे और एसीपी के मेहमान से बदतमीजी करने लगे।

» आरोपी सिपाही अंकुर को हिरासत में लेकर मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें नशे में होने की पुष्टि हुई

» पुलिस विभाग में कई वर्दी धारी कर रहे कानपुर पुलिस को बदनाम

मेहमान द्वारा विरोध करने पर सिपाही अंकुर ने गाली-गलौज करते हुए हाथापाई शुरू कर दी। मामला जब एसीपी तक पहुंचा तो उन्होंने तत्काल थाना स्वरूप नगर पुलिस को मौके पर भेजा। पुलिस पहुंची तो सिपाही अंकुर ने ड्यूटी पर आए पुलिस बल से भी झूमाझटकी की, जबकि उसका साथी प्रवीण मौका

पाकर फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपी सिपाही अंकुर को हिरासत में लेकर मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें उसके नशे में होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आरोपी सिपाही को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के तहत न्यायालय भेजा जा रहा है। साथी प्रवीण की तलाश जारी है।

लगातार शर्मसार हो रही पुलिस व्यवस्था

दो दिन पहले ही कल्याणपुर क्षेत्र में एक अन्य सिपाही के खिलाफ युवती से छेड़खानी का मामला सामने आया था। अब एसीपी के मेहमान से अभद्रता का यह मामला पुलिस विभाग की छवि को और धूमिल कर रहा है।

शहरवासियों का कहना है कि कानपुर पुलिस में अनुशासनहीनता के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे पुलिस की साख पर सवाल उठने लगे हैं। आम जनता ही नहीं, अब खुद वरिष्ठ अधिकारियों के परिजन भी सुरक्षित नहीं दिख रहे।

पुलिस महकमे में चर्चा है कि विभाग के कुछ सिपाही अनुशासन की सीमाएं लांघ रहे हैं, जबकि वर्दी की गरिमा बनाए रखने के लिए सख्त निगरानी और कार्रवाई की आवश्यकता है।स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि ऐसे अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों पर सख्त विभागीय कार्रवाई हो, ताकि पुलिस व्यवस्था में जनता का भरोसा बहाल हो सके।

वहीं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा है कि किसी भी स्तर पर वर्दी की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

दरोगा से घूस लेते पुलिस विभाग का बाबू रंगे हाथ गिरफ्तार

एंटी करप्शन की टीम ने 5 हजार रुपए लेते पकड़ा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार पर नकेल कसते हुए एंटी करप्शन टीम ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ऑफिस की लिपिक शाखा में तैनात उर्दू अनुवादक महफूज अहमद को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी बाबू दरोगा से वेतन विसंगति ठीक कराने के नाम पर घूस मांग रहा था।

जानकारी के अनुसार, कल्याणपुर आवास विकास चौकी में तैनात दरोगा उदयपाल पांडेय के वेतन में लंबे समय से विसंगति चल रही थी।

उन्होंने कई बार पुलिस कार्यालय में आवेदन किया, लेकिन सुधार नहीं हुआ। आखिरकार उन्होंने हाईकोर्ट की शरण ली, जहां से उनके पक्ष में आदेश जारी हुआ। बावजूद इसके कार्यालय में मामला लंबित रहा।

दरोगा उदयपाल ने बताया कि जब उन्होंने आदेश की प्रति लिपिक शाखा में सौंपी, तो उर्दू अनुवादक महफूज अहमद ने फाइल आगे बढ़ाने और वेतन विसंगति ठीक करने के लिए 5 हजार रुपये की मांग की। शिकायत पर एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाया और को बाबू को रिश्वत की रकम लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।टीम ने आरोपी से रिश्वत में मिले 5,000 रुपये बरामद किए और उसे गिरफ्तार कर लिया।

आज उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जाएगा।एंटी करप्शन अधिकारियों का कहना है कि विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नवीन गंगा पुल पर डेढ़ घंटे तक लगा जाम

एम्बुलेंस वाहनों के आड़ा-तिरछा निकालने से हुई समस्या

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। नवीन गंगा पुल के मोड़ पर रास्ता संकरा होने और अतिक्रमण के कारण शुक्रवार सुबह डेढ़ घंटे तक भीषण जाम लगा रहा, जिससे पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम में एक एंबुलेंस भी फंस गई, जिसे पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद निकलवाकर यातायात सामान्य कराया।

शुक्लागंज में नवीन गंगा पुल के मोड़ पर रास्ता संकरा होने व वाहनों को आड़ा-तिरछा कर निकालने से शुक्रवार को सुबह डेढ़ घंटे तक जाम लगा रहा। पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। जाम में फंसे लोगों को खासी परेशानी झेलनी पड़ी। कुछ वाहन सवार गंगा बैराज और जाजमऊ होकर निकले। इसी बीच मरीज लेकर जा रही एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाकर एंबुलेंस को निकलवाकर रवाना किया।

वहीं, जाम में फंसे नौकरीपेशा लोग व छात्रों को सबसे ज्यादा दिक्कत हुई। नवीन गंगा पुल के मोड़ के पास मार्ग संकरा है। ऐसे में सुबह यातायात दबाव बढ़ने पर वाहन फंसने लगे। जल्दी निकलने की होड़ में वाहनों को आड़ा-तिरछा कर निकालने से सुबह 10 बजे जाम लग गया। देखते ही देखते पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुल मोड़ से लेकर राजधानी मार्ग दुर्गा मंदिर मोड़ तक वाहनों की लंबी लाइन लग गईं। उन्नाव से कानपुर की ओर जा रही एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई। गनीमत रही कि एंबुलेंस में सामान्य मरीज था। पुलिस के पहुंचने पर एंबुलेंस को निकाला गया। जाम देख उन्नाव से कानपुर की ओर जाने वाले कई चौपहिया वाहन सवारों ने अपना रूट बदलते हुए गंगा बैराज और जाजमऊ हाइवे होकर निकले। लगभग 11:30 बजे डेढ़ घंटे बाद जाम खुलने पर यातायात सामान्य हो सका। कोतवाली गंगाघाट प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार सिंह ने बताया कि सुबह 10 बजे से वाहनों का लोड पुल मोड़ पर एकदम से बढ़ता है। ऐसे में मार्ग सकरा होने के कारण बड़े वाहन फंसते हैं, जिससे जाम लगता है। बताया कि पोनी तिराहे से पुल मोड़ के बीच कई जगह अतिक्रमण भी है, जो जाम का कारण बनता है।

खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दमखम

बीईओ रवी कुमार सिंह ने बच्चों को किया पुरस्कृत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी परिषदीय स्कूलों के बच्चे किसी से पीछे नहीं हैं। शनिवार को खजुरी संकुल (न्याय पंचायत) के खेलकूद बीआरडी मैदान में आयोजित किए गए। आयोजित संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। करीब एक सैकड़ा से अधिक छात्र-छात्राओं ने विभिन्न स्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपना पूरा दमखम दिखाया। प्रतियोगिता में लंबी कूद, 50 मीटर, 100 मीटर और 200 मीटर दौड़, लम्बी कूद और कबड्डी जैसे खेलों का आयोजन किया गया। बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बच्चों के उत्साह को बढ़ाने के लिए संकुल के कई वरिष्ठ शिक्षक विनय कटियार, रागिनी कटियार, श्रीमती किरन कुरील और इरफान आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षक शलभ कांत सिन्हा ने कहा कि यह प्रतियोगिता सिर्फ खेल नहीं है, यह बच्चों में आत्मविश्वास और टीम भावना जगाने का माध्यम है। हमने देखा कि हमारे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इस मौके पर अटेवा के ब्लॉक अध्यक्ष मोहन मुरारी कटियार और व्यायाम शिक्षक यदुनाथ सिंह, संदीप कुमार सहित कई शिक्षक और शिक्षामित्र मौजूद थे, जिन्होंने प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। बच्चों ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। इस सफल आयोजन ने न केवल विजेता खिलाड़ियों को पहचान दी, बल्कि सभी बच्चों को स्वस्थ रहने और खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित भी किया। कार्यक्रम के समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार सिंह ने अव्वल आए बच्चों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया। समापन के अवसर पर बच्चों सोशल मीडिया के नुकसानों पर तीखा व्यंग्य प्रस्तुत किया। जिसमें दिखाया गया कि मोबाइल ने किस तरह सबको अपने जाल में फंसा लिया है। जिसमें माता, पिता सबको जिम्मेदार ठहराया गया। जिसमें एक बेटी की जान चली गई।

किसने कहां दिखाया दम

200 मीटर दौड़ (जूनियर वर्ग) में उच्च प्राथमिक विद्यालय के समीर अहमद प्रथम, बरौली के साहिल द्वितीय और नीतेश तृतीय स्थान पर रहे। वहीं 100 मीटर बालक वर्ग की दौड़ में समीर, साहिल और नीतेश अव्वल रहे। बालिका वर्ग में पायल, नंदिनी और रागिनी अव्वल रहीं। प्राथमिक वर्ग (बालक) वर्ग की दौड़ में कुणाल, सुरजीत और सरस अव्वल रहे। बालिका वर्ग में अतीना, प्रिया और नैना अव्वल रहे।

एसडीएम ने धान खरीद केंद्रों का किया निरीक्षण

जांचीं सभी व्यवस्थाएं, लापरवाही पर दिए सख्त निर्देश

» कुछ केंद्रों पर पॉवर डस्टर और इलेक्ट्रॉनिक कांटे की स्थिति मिली असंतोषजनक

» कहा- किसानों को टोकन, तौल और भुगतान में कोई देरी न हो

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। जिलाधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (नागरिक एवं आपूर्ति) के निर्देश पर उप जिलाधिकारी बिल्हौर ने शुक्रवार को क्षेत्र के विभिन्न धान क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान खरीद की व्यवस्थाओं, उपकरणों की स्थिति तथा किसानों को दी जा रही सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने क्रय केंद्रों पर मौजूद रजिस्टर, भुगतान रजिस्टर, तौल कांटा, नामीमापक यंत्र और भंडारण व्यवस्था की गहन जांच की। उन्होंने पाया कि कुछ केंद्रों पर पॉवर डस्टर व इलेक्ट्रॉनिक कांटे की स्थिति संतोषजनक नहीं थी। इस पर एसडीएम ने केंद्र प्रभारी व मंडी सचिव को तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए कहा कि उपकरण सही दशा में न मिलने पर जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी इलेक्ट्रॉनिक कांटों को बाट-माप विभाग से प्रमाणित कराकर ही उपयोग में लाया जाए। साथ ही, किसानों को टोकन वितरण, तौल और भुगतान की प्रक्रिया में किसी भी तरह की देरी न होने के निर्देश दिए। एसडीएम ने नामीमापक यंत्र को चलवाकर उसकी कार्यप्रणाली की जांच की और कहा कि मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र किसान को धान बिक्री का पूरा लाभ प्राथमिकता के आधार पर मिलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि किसानों से धान खरीद में किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खरीफ विपणन वर्ष की इस प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जाए ताकि किसान सरकार की मंशा के अनुरूप लाभान्वित हो सकें।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम संजीव दीक्षित ने केंद्र परिसर की स्वच्छता, तोल व्यवस्था, बोरी की उपलब्धता और खाद्य विभाग की उपस्थिति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि खरीद केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल और छायादार स्थान की व्यवस्था सुनिश्चित हो, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

गंगा किनारे जहर खाने से युवक की मौत, हंगामा

» ग्रामीण बोले शराब पीने की आदत थी और घरेलू कलह से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। थाना क्षेत्र के नानामऊ गांव में शुक्रवार को जहर खाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिल्हौर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान नानामऊ गांव निवासी रामचंद्र कश्यप (40) के रूप में हुई है। वह अविवाहित थे और मजदूरी व खेती-बाड़ी से जीवन यापन करते थे। शुक्रवार सुबह वह गंगा नदी पर मछली पकड़ने गए थे, जहां दोपहर बाद उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें एंबुलेंस से सीएचसी बिल्हौर ले गए। ग्रामीणों का कहना है कि रामचंद्र को शराब पीने की आदत थी और पिछले कुछ दिनों से वह घरेलू कलह के कारण मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आक्रोश: बिल्हौर में सपाइयों का जोरदार प्रदर्शन

किसानों के मुआवजे व सेनानी की प्रतिमा पुनर्स्थापना की मांग

» सीतापुर में प्रतिमा हटाने पर भड़के कार्यकर्ता, सरकार के खिलाफ नारेबाजी।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी निर्भय सिंह यादव के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ता सीतापुर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद जगन्नाथ प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमा हटाए जाने को लेकर आक्रोशित दिखे। उन्होंने इसे स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान बताते हुए प्रतिमा को पुनः उसी स्थान पर स्थापित करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान सपाइयों ने क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से धान, आलू और राई की फसलों को हुए भारी नुकसान का मुद्दा भी उठाया। सपा नेता और बिल्हौर विधानसभा से टिकट के दावेदार विनय कोरी ने कहा कि किसानों की हालत खराब है, सरकार को सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाना चाहिए। सपाइयों ने इस संबंध में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी डॉ. संजीव कुमार दीक्षित को सौंपा। सपा व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष अतुल त्रिपाठी ने कहा कि सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा हटाना

सपा कार्यालय में मनाई लौह पुरुष की जयंती

प्रदर्शन के उपरांत नेहरू पार्क स्थित सपा कार्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में सपा युवजन सभा के प्रदेश सचिव आशीष यादव चटरू ने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों को एकसूत्र में पिरोकर भारत के एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने पटेल की नीतियों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने की अपील की।इस मौके पर श्याम सुंदर यादव, तिलक सिंह, साहिर हुसैन जाफरी, अभिषेक यादव मटरू, अरशद सिद्दीकी, प्रदीप सविता, शैलेंद्र यादव और रामसागर यादव सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सामूहिक विफलता से उपजी त्रासदी

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो।

निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता। दरअसल, यह प्रदूषण मौसमी बदलाव, पटाखों या पराली जलाने से ही नहीं पैदा होता। दरअसल, इसके मूल में शासन-प्रशासन की वह विफलता भी शामिल है, जो वातावरण को जहरीला बनाने वाले उद्योगों तथा निर्माण में उड़ने वाली धूल की सतर्क निगरानी नहीं करती। दरअसल, हमारे जीवन की कृत्रिमता व सुविधाभोगी जीवनशैली ने उन घातक गैसों को बढ़ावा दिया जो ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण की कारक बनती हैं।

घातक होगा दबाव में विदेशी खाद्यान्न हेतु बाजार खोलना

ज्योति मल्होत्रा

भारत को उन दिनों में वापस नहीं जाने दिया जा सकता जब देश का पेट भरने के लिए खाद्यान्न समुद्री जहाजों से आया करता था। भूख से आज़ादी सुनिश्चित करने से ज़्यादा ज़रूरी कुछ नहीं है, और वह भी किसी...भारत को उन दिनों में वापस नहीं जाने दिया जा सकता जब देश का पेट भरने के लिए खाद्यान्न समुद्री जहाजों से आया करता था। भूख से आज़ादी सुनिश्चित करने से ज़्यादा ज़रूरी कुछ नहीं है, और वह भी किसी भी कीमत पर।ऐसे समय में जब अन्न फसलें ङ्क गेहूं और धानङ्क की खेती अभी भी अपना वजूद बनाए हुए हैं, शेष लगभग सभी प्रमुख फसलों की चमक फीकी पड़ गई है। चाहे वह दालें हों, तिलहन (सोयाबीन सहित), कपास और मक्का, इनकी कीमतें तेजी से गिर रही हैं। खतरे की घंटियां इससे पहले इतनी ज़ोर से कभी नहीं बजीं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में बर्लिन ग्लोबल डायलॉग को संबोधित करते हुए हिम्मत भरा रुख दिखाया है

कि भारत 'सिर पर बंदूक तनवाकर' सौदे नहीं करता।इस मुश्किल समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कहे गए ये साहसी शब्द मुझे उन दिनों की याद दिलाते हैं जब तत्कालीन कृषि मंत्री जगजीवन राम रोम में संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्यालय में एक बैठक से गुस्से में बाहर निकल गए थे। यदि मैं उस वक्त के कृषि सचिव डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन ने मुझसे जो कहा था, उसे सही ढंग से बता पाऊं, तो उन्होंने एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी से कहा, 'भाड़ में जाए तुम और तुम्हारी हमें कृषि निर्यात बेचने की नीयत' और आगे कहा - भारत कभी भी अमेरिका से खाद्यान्न आयात नहीं करेगा।' जगजीवन राम 1974 से 1977 तक कृषि एवं सिंचाई मंत्री रहे थे। यह स्वामीनाथन का जवाब था, जब मैंने उनसे पूछा कि आजादी के बाद से लगभग सभी कृषि मंत्रियों के साथ विभिन्न पदों पर काम करने का सौभाग्य मिलने के बाद उन्हें कौन-सा कृषि मंत्री सबसे अच्छा लगा। इसलिए हमें याद रखना चाहिए कि अमेरिका हमेशा से विशाल भारतीय कृषि बाजार में पैर जमाने की हसरत रखता आया है। कोई आश्चर्य नहीं कि भारत में कृषि उत्पादों के लिए प्रवेश पाना असल में अमेरिका की विदेश नीति की एक बड़ी इच्छा रही है। ऐसा हो नहीं पाया, लेकिन हाल ही में, जब ट्रंप का धक्केशाही वाले और सनकी तरीके से टैरिफ लगाना देशों को नई विश्व व्यवस्था अपनाने को मजबूर कर रहा है, भारत ने चल रही अमेरिका-भारत व्यापार वार्ताओं में अब तो अपनी कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्र की रक्षा के लिए बहादुरी से लड़ाई लड़ी है। लेकिन मजबूत घरेलू लॉबियां जो सदा बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हितों के साथ खड़ी रहती हैं और वह भी आत्मनिर्भरता के नाम पर, एक बार फिर सक्रिय हो उठी हैं। अमेरिका के साथ कपास, सोयाबीन, मक्का, डेयरी, सेब और अन्य स्टोन फ्रूट्स के लिए भारतीय आयात खोलने की जिस दलील को सबके लिए जीत वाला 'रणनीतिक' व्यापार सौदा बताया जा रहा है, उसमें घरेलू हकीकतों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। अगला लक्ष्य ज़ाहिर तौर पर चावल होगा, उसके बाद गेहूं, जिसमें अमेरिका का असली हित छिपा है। नीति आयोग ने पहले ही एक वर्किंग पेपर वापस ले लिया है, जिसमें विवादित जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) सेब, मक्का और सोयाबीन को प्रवेश देने का मसौदा था, लेकिन कुछ दूसरे मुख्यधारा के अर्थशास्त्री भी हैं जो कपास पर ज़ीरो ड्यूटी इंपोर्ट की तरह दूध एवं दुग्ध प्रोडक्ट्स के लिए भी भारतीय बाजार खोलने को सही मानते हैं। बिना यह अहसास किए कि अमेरिका में उगाने वाले किसान लगभग 8,000 हैं, जिनके खेतों का औसत आकार 600 हेक्टेयर है,उन्हें आज भी सालाना 100,000 डॉलर से ज्यादा की सब्सिडी मिलती है। इससे इनकी अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम हो जाती हैं,

जहां मिट्टी महके मेहनत से बसे वहीं हरियाणा

स्थापना दिवस आज

ज्वाला सिंह दास

आज हरियाणा गांवों की मिट्टी से निकलकर कॉर्पोरेट गलियारों तक पहुंच चुका है। एक ऐसा राज्य जो कृषि में आत्मनिर्भर, उद्योग में अग्रणी, खेल में विजेता और समाज में परिवर्तनकारी है। लेकिन इस सफर के साथ चुनौतियां भी आईं। एक नवंबर, 1966, एक यादगार तारीख है, जिसने पंजाब की गोद से अलग होकर भारत के मानचित्र पर एक नए सपने को जन्म दिया। यह था हरियाणा। यह राज्य न तो बहुत बड़ा था, न संसाधनों में सम्पन्न, पर इसके पास था कुछ ऐसा जो हर सफलता की जड़ बनता है। वह है मेहनत, आत्मविश्वास और अपनी मिट्टी से अटूट प्रेम। हरियाणा ने अपने अस्तित्व की शुरुआत संघर्ष से की, लेकिन आज वही संघर्ष उसकी पहचान नहीं बल्कि सबसे बड़ी शक्ति बन चुका है।

हरियाणवी किसान ने देश को अन्न दिया, उद्योगों ने अर्थव्यवस्था को गति दी, खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर भारत का झंडा बुलंद किया, और बेटियों ने घर की चौखट से निकलकर नेतृत्व और सम्मान दोनों अर्जित किए। यह वही हरियाणा है जिसने खेतों की मिट्टी से हरित क्रांति बोई, फैक्ट्रियों से औद्योगिक क्रांति रची, स्कूलों और विश्वविद्यालयों से ज्ञान क्रांति जगाई, और खिलाड़ियों के पसीने से गौरव की क्रांति लिखी। आज हरियाणा गांवों की मिट्टी से निकलकर कॉर्पोरेट गलियारों तक पहुंच चुका है। एक ऐसा राज्य जो कृषि में आत्मनिर्भर, उद्योग में अग्रणी, खेल में विजेता और समाज में

परिवर्तनकारी है। लेकिन इस सफर के साथ चुनौतियां भी आईं। फिर भी, हरियाणा ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा, क्योंकि इस धरती के लोगों की रगों में सिर्फ खून नहीं, जिद, हौसला और कर्म की ताकत दौड़ती है। हरियाणा आज सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि एक विचार है - एक सोच जो कहती है कि 'जहां मिट्टी मेहनत से महके, वहीं सच्चा हरियाणा बसता है।'हरियाणा का नाम ही 'हरियाली' से निकला है, और यही इसका स्वभाव भी है। स्वतंत्र भारत के शुरुआती दशक में जब देश खाद्यान्न संकट से गुजर रहा था, तब हरियाणा के किसानों ने हरित क्रांति की दिशा तय की। करनाल, कुरुक्षेत्र, जींद, कैथल और सिरसा जैसे जिलों ने वह इतिहास रचा जिसने भारत को खाद्यान्न आत्मनिर्भर बनाया।

हरियाणा के किसानों ने नई तकनीक अपनाई। सिंचाई व्यवस्था सुधारी, ट्रैक्टर और मशीनों को खेतों में उतारा, और प्रयोगात्मक खेती का दौर शुरू किया। आज वही किसान ड्रोन से स्प्रे करने, जैविक खेती करने और सौर ऊर्जा से सिंचाई करने वाला आधुनिक कृषि-वैज्ञानिक बन चुका है। यह वही धरती है जिसने कभी हरित क्रांति दी थी, और अब 'ब्लू एनर्जी' व 'ग्रीन फार्मिंग' की दिशा में नए अध्याय लिख रही है।जहां कभी बैलों की गाड़ियां थीं, आज वहां इंजन और मशीनों की गूंज है। हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, मानेसर, सोनीपत और पानीपत जैसे शहर अब भारत की औद्योगिक रीढ़ बन चुके हैं। यह राज्य अब 'मेक इन इंडिया' की आत्मा और 'डिजिटल इंडिया' की धड़कन दोनों है। गुरुग्राम को आज भारत की 'कॉरपोरेट राजधानी' कहा जाता है, जहां दुनिया की बड़ी कंपनियों के मुख्यालय हैं और हजारों युवाओं को रोजगार मिलता है। औद्योगिक नगरी फरीदाबाद ने नया मुकाम प्रदेश को दिया। पानीपत ने टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग और पेट्रो-प्रोडक्ट्स से औद्योगिक क्रांति को नया बल दिया। हरियाणा की आर्थिक ताकत अब केवल उद्योगों में नहीं, बल्कि स्टार्टअप्स और नवाचारों में भी दिखाई देती है। हरियाणा की मिट्टी ज्ञान और खेल दोनों की जननी रही है। भारतीय सेनाओं में हर छठा सैनिक और दसवां अधिकारी हरियाणा की माटी से जुड़ा है।

पुरी का जादू मंदिर, समुद्र, संस्कृति खोले!

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा (ऋड्डह्लद्ध ड्ढड्डह्लह्ड्ड) का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है।

पुरी, भारत के ओडिशा राज्य में स्थित एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यह स्थान खासकर अपने ऐतिहासिक मंदिरों, खूबसूरत समुद्र तटों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। पुरी को जगन्नाथ की नगरी% के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां स्थित जगन्नाथ मंदिर हिन्दू धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है।

पुरी न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संस्कृति का भी संगम है।

पुरी का प्रमुख आकर्षण है, जगन्नाथ मंदिर। यह मंदिर भगवान श्री कृष्ण के अवतार, जगन्नाथ जी को समर्पित है। यहाँ हर साल विशाल रथ यात्रा (ऋड्डह्लद्ध ड्ढड्डह्लह्ड्ड) का आयोजन होता है, जिसमें लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं।

यह रथ यात्रा पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और हर साल जुलाई महीने में आयोजित होती है। जगन्नाथ मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है, और यह हिंदू धर्म के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, ऋषिकेश और पुरी) में से एक माना जाता है। पुरी समुद्र तट

पुरी के समुद्र तट को भारत के सबसे सुंदर समुद्र तटों में गिना जाता है। यहां का नीला पानी, सफेद रेत और ठंडी हवा पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है।

आप यहां सूर्योदय और सूर्यास्त का अद्भुत दृश्य देख सकते हैं।

समुद्र में तैरने के साथ-साथ, पर्यटक बीच पर आकर सुखद समय बिता सकते हैं और विभिन्न जल क्रीड़ाओं का आनंद ले सकते हैं। सुन्दरगड़ और चिलिका झील पुरी के पास स्थित सुन्दरगड़ और चिलिका झील पर्यटकों के लिए एक और आकर्षण का केंद्र है।

चिलिका झील एशिया की सबसे बड़ी ताजे पानी की झीलों में से एक है। यहाँ विभिन्न प्रजातियों के पक्षी रहते हैं और सर्दियों में यह एक प्रमुख पक्षी अभयारण्य बन जाता है। यहां बोटिंग का अनुभव भी बहुत रोमांचक होता है, खासकर जब आप झील के बीचो-बीच स्थित छोटे द्वीपों को देख सकते हैं।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर

पुरी के आसपास कई महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल हैं, जैसे कि कोणार्क सूर्य मंदिर, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। यह मंदिर अपनी वास्तुकला और इतिहास के लिए प्रसिद्ध है।

पुरी में अन्य मंदिर जैसे कि लिंगराज मंदिर, सुभद्रा मंदिर और गुंडिचा मंदिर भी दर्शनीय हैं। इन मंदिरों का अद्भुत स्थापत्य और धार्मिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करता है।

स्वादिष्ट भोजन

पुरी का भोजन भी खास है। यहां के लोकल व्यंजन, खासकर समुद्री भोजन, पर्यटकों के बीच लोकप्रिय हैं।

पुरी के खास पकवानों में चूड़ा-घांटी, पानी पुरी, पिठा और भाजी शामिल हैं। इसके अलावा, जगन्नाथ महाप्रसाद (प्रसाद) भी यहां का प्रमुख आकर्षण है, जिसे श्रद्धालु बड़े श्रद्धा भाव से ग्रहण करते हैं।

शॉपिंग और हस्तशिल्प

पुरी जाने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च तक है, जब मौसम ठंडा और आरामदायक होता है। गर्मी में यहां का तापमान काफी बढ़ सकता है, जिससे यात्रा में असुविधा हो सकती है।

यह स्थान हर किसी के लिए कुछ न कुछ खास पेश करता है, चाहे वह धार्मिक तीर्थ यात्री हो या एक साहसी यात्री जो प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहता हो। पुरी की यात्रा निश्चित रूप से हर पर्यटक के दिल में एक अमिट छाप छोड़ जाती है।

लुक हो स्टनिंग, साड़ी हो प्रिंटेड!

अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आप कुछ साड़ियों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ साड़ी ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

महिलाएं कई सारे फंक्शन में साड़ी पहनना पसंद करती हैं। साड़ी में आप न सिर्फ खूबसूरत नजर आती हैं, बल्कि इससे आपका लुक भी अट्रैक्टिव नजर आता है। हालांकि साड़ी में आपको कई सारी डिजाइन्स मिल जाएंगी, जिनको आप फंक्शन के हिसाब से स्टाइल कर सकती हैं।

ऐसे में अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने का प्लान कर रही हैं और बेस्ट लुक पाना चाहती हैं। तो आप कुछ साड़ियों को अपने वार्डरोब में शामिल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ साड़ी ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मल्टी कलर ऑर्गेंजा साड़ी

फैमिली फंक्शन में बेस्ट और स्टाइलिश लुक पाने के लिए ऑर्गेंजा साड़ी वियर कर सकती हैं। इस साड़ी में आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। इस साड़ी में ऑर्गेंजा फैब्रिक है, जिसको आप किसी भी फैमिली फंक्शन में स्टाइल कर सकती हैं। आप ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही जगहों से 1000 से 1500 तक की कीमत में खरीद सकते हैं। इस तरह की साड़ी के साथ आप पर्ल वाली ज्वेलरी के साथ फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं।

प्रिंटेड साटन साड़ी

अगर आप लाइट कलर में साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आप प्रिंटेड साटन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। इस साड़ी को स्टाइल करके आप भीड़ से अलग नजर आएंगी। इस साड़ी में आपको कई कलर ऑप्शन मिल जाएंगी। इसको आप स्लीवलेस ब्लाउज के साथ कैरी कर सकती हैं। आप इसके साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं आप हील्स पहन सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी अगर आप भी सिंपल और अट्रैक्टिव लुक पाना चाहती हैं, तो आपको फ्लोरल प्रिंट सा?ी वियर कर सकती हैं। इन दिनों यह साड़ी काफी ट्रेंड में हैं और इसमें आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा। आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट सा?ी का चुनाव फैमिली फंक्शन में स्टाइल करने के लिए कर सकती हैं। इस साड़ी में स्टाइलिश लुक पाने के लिए गोल्ड प्लेटेड ज्वेलरी के साथ झुमके

डोलो-650 की चर्चा, विदेशी डॉक्टर की चिंता!

अमेरिका के एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और स्वास्थ्य शिक्षक डॉ. पलानीअप्पन मनिकम ने डोलो-650 के उपयोग के बारे में अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने 14 अप्रैल को एक्स पर लिखा, %भारतीय डोलो 650 को कैडबरी जेम्स की तरह लेते हैं।% डॉक्टर के हालिया ट्वीट ने डोलो-650 को फिर से चर्चा का केंद्र बना दिया है, जिससे लोगों के बीच बहस छिड़ गई है।

बुखार और दर्द के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवाई डोलो-650 कोविड-19 महामारी के दौरान लोकप्रिय हुई थी। महामारी के दौरान भारतीयों ने इसका खूब सेवन किया और अब भी कर रहे हैं। महामारी के बाद, यह ब्रांड विवादों में आया और अब एक विदेशी डॉक्टर के ट्वीट ने इसे फिर से चर्चा में ला दिया है।

विदेशी डॉक्टर का ट्वीट

अमेरिका के एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और स्वास्थ्य शिक्षक डॉ. पलानीअप्पन मनिकम ने डोलो-650 के उपयोग के बारे में अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने 14 अप्रैल को एक्स पर लिखा, भारतीय डोलो 650 को कैडबरी जेम्स की तरह लेते हैं। डॉक्टर के हालिया ट्वीट ने डोलो-650 को फिर से चर्चा का केंद्र बना दिया है, जिससे लोगों के बीच बहस छिड़ गई है। डोलो-650 के बारे में डोलो-650 एक पैरासिटामोल ब्रांड है जिसका उपयोग बुखार और दर्द के इलाज के लिए किया जाता है। इस दवा को पैरासिटामोल के नाम से जाना जाता है, जो एक आम दर्द निवारक और बुखार कम करने वाली दवा है। इसका उपयोग बुखार, सिरदर्द, दांत दर्द, मांसपेशियों में दर्द और जोड़ों के दर्द में किया जाता है। डोलो-650 के कुछ संभावित दुष्प्रभाव भी हैं, जैसे पेट दर्द, उल्टी, दस्त और एलर्जी। कोविड के दौरान डोलो की प्रसिद्धि में वृद्धि कोविड-19 महामारी के दौरान, डोलो-650 भारत में एक आम नाम बन गया। लोगों ने बुखार के मामूली लक्षणों पर भी इस दवा का सेवन किया, और मीम्स ने इसकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। माइक्रो लैब्स, डोलो-650 के निर्माता, ने 2020 से 350 करोड़ से अधिक गोलियां बेचीं, जिससे एक साल में 400 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ। डोलो-650 की बिक्री में वृद्धि उल्लेखनीय थी। महामारी से पहले यह 7.5 करोड़ स्ट्रिप्स प्रति वर्ष थी, जो एक साल बाद 9.4 करोड़ स्ट्रिप्स हो गई और 2021 के अंत तक 14.5 करोड़ स्ट्रिप्स तक पहुंच गई, जो 2019 की तुलना में लगभग दोगुना है।

डोलो-650 के विवाद

डोलो-650 के आसपास कई विवाद रहे हैं, जिनमें इसके ओवर-प्रिस्क्रिप्शन और मार्केटिंग प्रैक्टिसेस शामिल हैं। कुछ लोगों ने इसके अत्यधिक उपयोग और दुष्प्रभावों के बारे में चिंता जताई है।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

मंधना में बनेगा विजिलेंस विभाग का नया भवन

ग्वालटोली की किराए की बिल्डिंग से होगा विभाग का स्थानांतरण, 8 करोड़ 10 लाख की लागत से पीडब्ल्यूडी करेगा निर्माण कार्य

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर ब्लॉक के परगही कछार में मंधना गंगा बैराज से गोरहा रोड पर विजिलेंस विभाग के नए भवन के निर्माण की प्रक्रिया भूमि पूजन व हवन के साथ शुरू हो गई। वर्तमान में विभाग ग्वालटोली स्थित एक किराए की इमारत से अपना संचालन कर रहा है। नए भवन का निर्माण लगभग 8 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 2000 वर्ग गज ग्राम समाज की भूमि पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराया जाएगा।

भवन बनने के बाद विजिलेंस विभाग को अपनी स्थायी और अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त कार्यालय की सुविधा मिलेगी। भूमि पूजन के दौरान अपर निदेशक विजिलेंस मंजिल सैनी, एसपी सीआईएस जांच लेखा सेक्टर अयोध्या नीति द्विवेदी, और एसपी अभिसूचना कानपुर सेक्टर अभय मिश्रा ने संयुक्त रूप से हवन कर विधिवत कार्य की शुरुआत की। इस अवसर पर एसपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी, एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार, तथा पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता राकेश यादव, सहायक अभियंता राहुल सिंह, अवर अभियंता प्रदीप कुमार, श्यामसुंदर, सुरजीत और सुनील कुमार सहित विभागीय अधिकारी व स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

देवोत्थान एकादशी आज, बाजारों में रौनक, गन्ना और पूजन सामग्री की खरीदारी, भक्ति का माहौल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शुक्लागंज में शनिवार को मनाई जाने वाली देवोत्थान एकादशी के उपलक्ष्य में शुक्रवार को बाजारों में रौनक रही और गन्ने की खूब बिक्री हुई, जिसकी कीमत 30 से 100 रुपये तक रही। पुरोहितों के अनुसार, यह पर्व शनिवार सुबह 9:12 मिनट से शुरू होगा और इस दिन भगवान विष्णु की पूजा से शुभ फल प्राप्त होता है।शुक्लागंज में देवोत्थान एकादशी शनिवार को मनाई जाएगी। इसको लेकर शुक्रवार को बाजारों में रौनक रही। पूजन सामग्री के साथ गन्ने की खूब बिक्री हुई। पुरोहितों ने बताया कि इस दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। अगले दिन मां तुलसी की पूजा करते हुए उनका विवाह कार्यक्रम संबंधी पूजन होगा। राजधानी मार्ग सब्जी मंडी, मिश्रा कॉलोनी, पोनीरोड, आजाद नगर बाजार में दुकानें सजी रहीं।गन्ना खरीदने वालों की खूब भीड़ रही। गन्ना विक्रेताओं ने बताया कि इस बार 30 रुपये से 100 रुपये के बीच गन्ना बिक रही है। पुरोहित संतोष तिवारी ने बताया कि पंचांग के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि शनिवार सुबह 9:12 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन रविवार को शाम 7:32 मिनट पर समाप्त होगी।

साहब नजर डालिए

ट्रक-डंफर पर लदी मौरंग की धुलाई से नेशनल हाईवे हो रहा बर्बाद

रोज लाखों लीटर पानी हो रहा बर्बाद होने की जानकारी के बावजूद तहसील से लेकर जिला प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

धुली मौरंग का पानी सड़क पर गिरता रहता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में हाईवे किनारे दर्जनों की संख्या में खुले अवैध ट्यूबवेल ट्रकों में लदी गंदी मौरंग की धुलाई कर बेहिसाब पानी बर्बाद करके मोटी कमाई कर रहे हैं। इससे करोड़ों रुपये से बनी हाइवे की रोड लगातार पानी फैलने से जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो रही है। गौर करने वाली बात यह है कि खुलेआम नियमों को ताख पर रख कर हर दिन बहाए जा रहे लाखों लीटर पानी की बर्बादी किसी भी अधिकारी को नहीं दिखती।

दिन प्रति दिन बेहिसाब जलदोहन से धरा की कोख सूखती जा रही है। जिससे भूगर्भ जलस्तर तेजी से गिरता जा रहा है। जिसको लेकर शासन जल संरक्षण के लिए बाबत संजीदा होने के दावे भी कर रहा है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग पर हर रोज चलने वाले हजारों की संख्या में मौरंग लदे ट्रक जल संरक्षण के दुश्मन बन हुए हैं। मौरंग कारोबारी खदानों से सस्ती मौरंग ट्रकों में लाद कर लाते हैं। इसके बाद हाइवे किनारे बने अवैध ट्यूबवेलों में खड़ा कर ट्रक में लदी मौरंग को पानी की मोटी धार से धुलाई कराकर चमकदार बना देते हैं। मौरंग धुलाई की मांग बढ़ने से हर दिन हाइवे किनारे बिना अधिकारिक अनुमति के नये ट्यूबवेल बनाये जा रहे हैं। कुछ गाड़ी ढुलाई सेंटर ट्यूबवेलों पर हर रोज ट्रकों की लंबी लाइन लगने पर ट्यूबवेल संचालक मनमाने रुपये लेकर कमाई करते हैं और लाखों लीटर पानी बहाकर जलदोहन कर रहे हैं।

हाईवे पर फैले पानी से होते हादसे

ट्यूबवेल से मौरंग की धुलाई कराकर निकलते ट्रकों से गिरने वाला पानी हाइवे पर काफी दूर तक फैलता हैं। जैसे कि इस समय भोगनीपुर हासेंमऊ, के पास जिसपर फिसलकर छोटे वाहन सवार दुर्घटना के शिकार होते हैं।

क्या बोले उपजिला अधिकारी.

इस संबंध में भोगनीपुर तहसील के उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया है कि जानकारी मिली है। मेरे द्वारा पूर्व में कुछ कार्यवाही भी की गई थी, लेकिन ये फिर से संचालन शुरू कर दिया है। जल्द ही कार्यवाही की जायेगी। हर हाल में संचालन बंद कराया जायेगा।

2.70 लाख रुपए लेकर घर से निकला व्यापारी रहस्यमय हालात में लापता

» पुलिस गश्त के दौरान मिली मोटरसाइकिल, मूसानगर पुलिस जांच में जुटी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर में बीते 29 अक्टूबर को घर से 2.70 लाख रुपए लेकर भैंस खरीदने निकला व्यापारी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। परिजनों की शिकायत पर मूसानगर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली है। पुलिस को उसकी मोटरसाइकिल मिली है।

जानकारी के अनुसार मूसानगर के अब्दुल कलाम नगर के वार्ड नंबर 14 के रहने वाले नौशाद 29 अक्टूबर की सुबह करीब पांच बजे घर से यमुना पार भैंस खरीदने के

लिए कह कर निकले थे। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने तलाश की परन्तु कोई जानकारी नहीं मिली। नौशाद के पुत्र तालिब ने बताया कि उनके पिता ने 27 अक्टूबर को पड़ोसी नूर आलम से 2.70 लाख रुपए लिए थे। नूर आलम उन्नाव की एक मांस कंपनी में काम करते हैं। पिता के वापस न आने पर तालिब ने नूर आलम से संपर्क किया। अगले दिन नूर आलम ने बताया कि हरौलीपुर पुलिस चौकी क्षेत्र में पुलिस गश्त के दौरान एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। तालिब हरौलीपुर चौकी पहुंचे और पिता की पैशन मोटरसाइकिल की पहचान की। इस बाबत थाना प्रभारी मूसानगर कालीचरन कुशवाहा ने बताया कि तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भोगनीपुर क्षेत्र से दसवीं की छात्रा गायब, केस दर्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के बहेरी गांव से दसवीं की छात्रा लापता हो गई उसकी मां ने भोगनीपुर थाने में पहुंचकर मुकदमा दर्ज करवाया है । बहेरी गांव निवासी रिंकी देवी ने बताया कि उसकी बेटी गांव के ही विद्यालय में कक्षा 10 में पढ़ती थी वह खेत पर गई हुई थी जब खेत से वापस घर में आई तो उसकी लडकी गायब थी घर में रखा नगदी व सोने चांदी का जेवर भी गायब था रिंकी देवी ने कई जगह उसकी खोज की लेकिन पता नहीं चला छात्रा की मां ने भोगनीपुर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है । कोतवाल भोगनीपुर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

प्रेम प्रसंग के चलते युवती की नृशंस हत्या कर प्रेमी हुआ फरार

तखत के नीचे छुपाया था शव, दुर्गंध और खून से हुआ खुलासा, जांच शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रायपुरवा थाना क्षेत्र में लिवइन में रह रही महिला की उसके प्रेमी ने हत्या कर दी। इसके बाद शव को तख्त के नीचे छिपाकर घर में ताला लगाकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

कानपुर में रायपुरवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुरवा शक्कर मिल खलवा निवासी भारती गौतम (35) की प्रेमी रोहित उर्फ दिलीप कुमार (मोहम्मद वाहिद) ने हत्या करके शव तखत के नीचे छिपा दिया। आरोपी ने शव पर और तख्त को चारों ओर से चदरा से ढक दिया। पुलिस की जांच में अब तक यह सामने आया है कि दोनो लिवइन में रह रहे थे। मंगलवार को घटना के बाद से वह ताला लगाकर भाग निकला था। रायपुरवा पुलिस के अनुसार दोनों को आठ साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। शनिवार दोपहर घर से दुर्गंध ज्यादा आने पर पड़ोसियों ने गेट के नीचे से खून बहता मिला।

इससे उन लोगों के होश उड़ गए। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ताला तोड़कर अंदर पहुंचे, तो तखत के नीचे चादर से ढका भारती का शव मिला। शव काफी सड़ चुका था।

फॉरेंसिक ने जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। रायपुरवा इंस्पेक्टर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

मंत्रोंउच्चार व गंगा आरती के साथ शुरू हुआ मखदूमपुर का ऐतिहाक मेला श्रृद्धालु पहुंचे

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/मेरठ। शनिवार को हस्तिनापुर के मखदूमपुर गंगा घाट पर पांच दिवसीय गंगा मेले की शुरुआत हो गई। राज्य मंत्री दिनेश खटीक सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने उद्घाटन किया। हजारों श्रद्धालु स्नान, पूजा और गंगा आरती में शामिल हुए। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर मेरठ से सटे ऐतिहासिक हस्तिनापुर में मखदूमपुर गंगा घाट पर लगने वाले पांच दिवसीय गंगा स्नान मेले का शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ शुभारंभ हुआ। गंगा की रेती पर जिला पंचायत की ओर से आयोजित मेले का उद्घाटन राज्य मंत्री दिनेश खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरव चौधरी, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विमल शर्मा, डीएम डॉ. वीके सिंह और एसएसपी डॉ. विपिन ताडा सहित अन्य अधिकारियों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

उद्घाटन के बाद गंगा तट पर हवन-यज्ञ और भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। हजारों श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों के साथ पवित्र गंगा में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। आयोजन समिति के अनुसार, मेले में श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है और अगले दिनों में यह आंकड़ा चार लाख तक पहुंचने का अनुमान है।मेले को भव्य बनाने के लिए जिला पंचायत द्वारा 73 लाख रुपये के बजट से विस्तृत तैयारियां की गई हैं। गंगा की रेती में इस वर्ष मेले का आकार भी बड़ा रखा गया है।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा और डीएम डॉ. वीके सिंह ने मेला स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सीएम योगी की बच्चों से अपील

स्मार्टफोन की जगह अच्छी पुस्तकों में करें अपने समय का निवेश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर, 1 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) परिसर में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। यह पुस्तक मेला 1 से 9 नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री ने बच्चों को पुस्तकें वितरित कीं और स्कूली विद्यार्थियों से संवाद भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी अच्छी पुस्तकें होती हैं। उन्होंने भारत की श्रवण परंपरा और गुरु-शिष्य परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया गोरखपुर पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ

» नवंबर तक दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में चलेगा महोत्सव

तक पहुंचाने की अद्भुत परंपरा विकसित की।

जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक महोत्सव आने वाले 9 दिनों तक 200 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी रुचि की पुस्तकें खरीदने का शानदार अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं वेन सिटिजन, कंट्री लीड यानी जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है।

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर की भूमि इसलिए भी विशेष है क्योंकि पिछले 100 वर्षों से गीता प्रेस भारत और विश्व में सनातन धर्म की विचारधारा को अपनी पुस्तकों के माध्यम से पहुंचा रहा है। उन्होंने साहित्यकार फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद, प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी जैसे लेखकों का स्मरण किया और हाल ही में दिवंगत साहित्यकार श्रीराम दरस मिश्र को श्रद्धांजलि दी।

सरकार राज्यभर में पुस्तकालयों का जाल बिछा रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकें हमेशा नई प्रेरणा देती हैं। हमें उनसे जुड़ना चाहिए। अगले 9 दिनों में यहां अनेक विमर्श, परिचर्चा, पुस्तकों के विमोचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ शहर की सभी संस्थाओं को इसमें भागीदारी करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्यभर में पुस्तकालयों का जाल बिछा रही है। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। 1.56 लाख से अधिक प्राथमिक विद्यालयों में से 1.36 लाख विद्यालयों का कायाकल्प किया गया है, जिनमें पुस्तकालय और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है ताकि बच्चों में पढ़ने की संस्कृति विकसित हो सके।

बच्चों और आंगनबाड़ी दीदियों को किया सम्मानित

इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आंगनबाड़ी दीदियों को सम्मानित किया। इसमें निशा, चिंता, प्रेमलता, पुष्पा, बिंद्रावती को मुख्यमंत्री ने पुस्तकें भेंटकर सम्मानित किया। वहीं एनबीटी और डीडीयू की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को सम्मानित किया गया। इसमें श्रीजा शरण, अभय वर्मा, रश्मिका दुबे, आदेश कुंवर सिंह, दिव्या विश्वकर्मा, शिवम कुमार गुप्ता, तोषिका चौहान, शिवांगी पांडेय, निलय कुमार, अभिषेक सिंह, देवानंद गुप्ता और आयुष किशोर को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ला, विधायकगण विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ला, श्रीराम चौहान, श्रवण निषाद, विमलेश पासवान, महिला आयोग उपाध्यक्ष चारू चौधरी, डीडीयू की कुलपति प्रो पूनम टंडन, अवनीश अवस्थी, एनबीटी के चेयरमैन मिलंद सुधारक मराठे, युवराज मलिक, आचार्य पवन त्रिपाठी सहित अन्य मौजूद रहे।

स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद बढ़ा रहा

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर अनावश्यक समय व्यर्थ न करें और अपने समय का सदुपयोग पुस्तकों के अध्ययन में करें।

उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक एग्जाम वारियर्स छात्रों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शक है। इसे हर विद्यार्थी को पढ़ना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी पुस्तकें न केवल परीक्षा में मदद करती हैं बल्कि जीवन के कठिन समय में भी मार्गदर्शन देती हैं। धार्मिक, पर्यावरणीय, तकनीकी और एआई से जुड़ी पुस्तकों से हमें ज्ञान और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को स्मार्टफोन पर खर्च घटाकर पुस्तकों में निवेश करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देवोत्थान एकादशी है, यह शुभ अवसर भगवान विष्णु की कृपा का प्रतीक है। इसी पावन दिन पर पुस्तक महोत्सव का शुभारंभ हुआ है, यह पूरे प्रदेश के लिए शुभ संकेत है।

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की मानवता को लोगों ने सराहा

अयोध्या।रामनगरी में पंचकोसी परिक्रमा के मौके पर लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से जुटा है। इसी बीच पंचकोसी मार्ग पर एक छोटा बच्चा अपने पिता के खोमचे के साथ अकेला था। पिता किसी काम से थोड़ी देर के लिए दूर गए थे और खोमचा सड़क के बीचोंबीच खड़ा रह गया था। तभी क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की निगाह उस पर पड़ी। उन्होंने बिना देर किए आगे बढ़कर बच्चे को स्नेहपूर्वक भरोसा दिलाया और स्वयं खोमचा उठाकर सड़क के किनारे रखवाया, ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा में कोई बाधा न आए। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने इस मानवीय स्वरूप की खुलकर सराहना की।

नगर निगम जेई और सफाई निरीक्षक के खिलाफ लोकायुक्त जांच की मांग उठी

» ट्रस्ट अध्यक्ष का आरोप, अवर अभियंता जलकल शशिकला चौधरी, अन्नु जायसवाल और सफाई निरीक्षक ब्रिजेन्द्र वर्मा ने बनाई करोड़ों की संपत्ति

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।नगर निगम अयोध्या के स्थानांतरण नीति के विवाद को लेकर स्वयंसेवी संगठन भी आगे आ गए है, श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा तीन वर्षों से जमे अधिकारियों के स्थानांतरण और और अभियंता जलकल शशिकला चौधरी ,अवर अभियंता जलकल अन्नु जायसवाल, सफाई निरीक्षक बृजेंद्र वर्मा के विरुद्ध कुछ ही वर्षों में बनाई गई करोड़ों की संपत्ति को लेकर जांच की मांग की गयी है ।

श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश सिंह मानव ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर यह मांग उठाई है।

राजेश सिंह मानव ने कहा नगर निगम के अधिकारियों के लंबे समय से टीके होने के कारण भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा और ठेकेदारी में अपने रिश्तेदारों ,परिचितों को उतार कर खुद ही ठेकेदारी की जा रही है। स्थानांतरण नीति का प्राविधान इसीलिए किया गया है कि कोई भी अधिकारी 3 वर्ष बाद स्थानांतरित होने से उसके द्वारा किसी भी तरह से भ्रष्टाचार के गतिविधि की संभावना शून्य होती है लेकिन नगर निगम अयोध्या में जनप्रतिनिधियों के वरदहस्त के कारण कुछ अधिकारी वर्षों से तैनात है और वही अधिकारी अपने परिचित व रिश्तेदारों को ठेकेदारी में उतारकर अपना पैसा लगाकर खुद ठेकेदारी कर रहे हैं। राजेश सिंह मानव ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में आरोप लगाया कि नगर निगम अयोध्या के अधिकारी गलत फाइलों के लिए मशहूर है और अवर अभियंता जलकल शशिकला चौधरी और अन्नु जायसवाल के विरुद्ध पूर्व में भी कई शिकायतें उठी हैं। सूत्रों के अनुसार लखनऊ से लेकर अयोध्या तक मकान और जमीनों की खरीदारी इन अधिकारियों द्वारा अल्प समय में ही की जा चुकी है। मानव ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में यह आरोप लगाया कि इन अधिकारियों के मकान, जमीन, लग्जरी गाड़ियां व रहन-सहन का तरीका उनके वेतन से मेल नहीं खाता हैं। दीपोत्सव और प्रांतीय मेलों की आड़ में उनके द्वारा अपने रिश्तेदारों और परिचितों के नाम तमाम पत्रावलियां तैयार की

शिकायतकर्ता महंत सन्त दास उर्फ राजेश सिंह मानव

शशिकला अवर अभियंता नगर निगम

विजेंदर वर्मा सफाई निरीक्षक नगर निगम

जाती है जिनका भुगतान भी कराया जाता है। श्री आदित्यनाथ गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा मुख्यमंत्री से तत्काल 3 वर्षों से ज्यादा जमे अधिकारियों के स्थानांतरण और अवैध संपति को लेकर लोकायुक या विजिलेंस से जांच की मांग की गई है।

अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा शुरू रास्ते भर गूंज रहा जय श्रीराम

मोक्षपथ पर उमड़ी आस्था

» रात 2 बजकर 57 मिनट तक निरंतर चलती रहेगी परिक्रमा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। भोर 4 बजकर 2 मिनटज् वह पावन क्षण जब रामनगरी अयोध्या में पंचकोसी परिक्रमा का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और जय श्रीराम के जयघोष के साथ हुआ। रमणीय प्रभात की लालिमा के बीच हजारों-लाखों राम भक्तों ने उत्साह, श्रद्धा और पूर्ण अनुशासन के साथ मोक्षदायिनी परिक्रमा का आरंभ किया। लगभग 15 किलोमीटर लम्बा यह पावन मार्ग रात 2 बजकर 57 मिनट तक निरंतर भक्तों के चरणचिन्हों से पवित्र होता रहेगा।

देशभर से पहुंचे श्रद्धालु माता-पिता, परिवार और गुरुदेवों के साथ परिक्रमा में सम्मिलित होकर स्वयं को धन्य अनुभव कर रहे हैं। भक्ति के रंग में रंगी रामनगरी हर मोड़ पर भजन-कीर्तन,हर पड़ाव पर प्रसाद वितरण हर दिशा में राम नाम संकीर्तन पूरा नगर इस समय जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से गुंजायमान है। मंगल ध्वनियों से ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो अयोध्या स्वयं भक्तों के स्वागत में हाथ जोडक़र खड़ी हो।

परिक्रमा क्यों है विशेष?

सनातन मान्यता है कि पंचकोसी परिक्रमा मोक्ष का द्वार खोलती है पापों का क्षय, जीवन का संस्कार और प्रभु श्रीराम में अटूट विश्वास का विस्तार इसी पथ का फल माना गया है। चौदह कोसी परिक्रमा की भव्य सफलता के बाद अब पंचकोसी परिक्रमा ने अयोध्या को पूर्णत- भक्तिमय, उत्सवमय और अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया है। आज का दिन एक संदेश दे रहा है जहां राम हैं, वहीं जीवन का परम ध्येय है।

प्रशासन की यह है व्यवस्था

- » ड्रोन से पूरे क्षेत्र की निगरानी
- » परिक्रमा मार्ग पर स्वास्थ्य शिविर
- » पेयजल व प्रकाश व्यवस्था
- » सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती
- » ट्रैफिक नियंत्रण के पुख्ता प्रबन्ध

पुलिस की तत्परता से बची श्रद्धालु की जान, परिवार ने जताया आभार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। पंचकोसी परिक्रमा के दौरान दशरथ कुंड के पास शनिवार सुबह लगभग 8 बजे चक्कर खाकर गिरे नवमी लाल (उम्र 60 वर्ष), निवासी ऐरा खमरिया, जनपद लखीमपुरखीरी को पुलिस की त्वरित सहायता से जीवनदान मिल सका।

थानाध्यक्ष कुमारगंज ओमप्रकाश ने घटना की जानकारी मिलते ही बिना विलंब एंबुलेंस बुलाकर उन्हें तत्काल श्रीराम हॉस्पिटल भिजवाया, जिससे समय पर उपचार मिलने से उनकी जान बच गई। परिवारजनों ने पुलिसकर्मियों की संवेदनशीलता और तत्परता की सराहना करते हुए हृदयपूर्वक धन्यवाद व्यक्त किया।

रामलला के दरबार में नतमस्तक हुई दुनिया की सबसे छोटी महिला ज्योति आमगे

कद से नहीं, हौसले से ऊंची विश्व की सबसे छोटी बेटी

समीर शाही

अयोध्या। कद में भले ही दुनिया की सबसे छोटी महिला पर हौसले में पर्वत से भी ऊँची ज्योति किशन आमगे रामनगरी की पवित्र भूमि पर पहुंची। नागपुर की रहने वाली 32 वर्षीय ज्योति जैसे ही रामलला के दरबार पहुंचीं, वातावरण में भक्ति की एक नई चमक तैर गई। सहयोगी की गोद में बैठकर उन्होंने रामलला के बाल स्वरूप के दर्शन किए। आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कान और दिल में अटूट विश्वास लेकर श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया।

मंदिर व्यवस्था से जुड़े डॉ. चंद्र गोपाल पांडेय बताते हैं उनकी लंबाई 62.8 सेमी और वजन महज़ 5.5 किलो है। एकोंड्रॉप्लासिया नामक दुर्लभ बीमारी के कारण उनकी हड्डियाँ बढ़ नहीं पातीं। चलना उनके लिए चुनौती है । इसके बावजूद ज्योति ने साबित कर दिखाया जहां सामान्य लोग टूट जाते हैं, वहीं उन्होंने अपने संघर्ष को ही अपनी पहचान बना लिया। उनके पिता, माता, भाई-बहन और परिजन उनके साथ थे। ज्योति आमगे ने बताया कि रामलला के दर्शन मेरे जीवन का सबसे पवित्र क्षण है। मैं प्रार्थना करती हूं प्रभु सब पर कृपा और सुरक्षा बनाए रखें। जय श्रीराम।

स्कूल से लेकर पूरे विश्व में नाम

16 दिसंबर 1993 को जन्म बचपन में उनके लिए विशेष कुर्सी, डेस्क, यूनिफॉर्म, यहाँ तक कि बर्तन बनाए गए 18वें जन्मदिन पर दुनिया की सबसे छोटी जीवित महिला का रिकॉर्ड।

मिस्र में दुनिया के सबसे लंबे इंसान सुल्तान कोसेन के साथ विशेष आमंत्रण ज्योति ने दुनिया को बताया परमात्मा देह में फर्क करता है,

क्षमताओं में नहीं।14 कोसी परिक्रमा मेला, रामलला के दर्शन और रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से मुलाकात हर क्षण में श्रद्धा, हर कदम में उत्साह दिखा। उनकी यात्रा कहती है सीमाएं शरीर की होती हैं, आस्था और साहस की नहीं। वे बोलीं मैं फिर आऊंगी, बार-बार आऊंगी।

पंचकोसी परिक्रमा

वासुदेव घाट पर सेवा और भक्ति का अद्भुत संगम

» सेवादारों का कहना है कि भक्ति, समर्पण और सेवा यही अयोध्या की पहचान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।पंचकोसी परिक्रमा में वासुदेव घाट पर रामाय सेवा ट्रस्ट द्वारा लगाए गए सेवा कैंप में भक्ति और सेवा का अद्भुत मिलन देखने को मिला। पूजा-अर्चना से सुशोभित इस पावन स्थल पर श्रद्धालुओं के स्वागत और सहायतार्थ सतत व्यवस्था की गई है। इस सेवा शिविर में श्री रामवल्लभा कुंज के पूज्य राजकुमार दास अधिकारी जी के पावन सानिध्य में निरंतर सेवा कार्य संचालित हो रहे हैं। खाद्य व पेयजल वितरण, आराम की व्यवस्था, स्वास्थ्य सहायता और मार्गदर्शन सब कुछ प्रभु की भक्ति भाव से सम्पन्न हो रहा है।

इसी कड़ी में अयोध्या के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने अपनी संपूर्ण टीम के साथ यहां पहुंचकर सत्सेवा में सहभागिता निभाई। परिक्रमार्थी श्रद्धालुओं के चरण पखारते, उन्हें सम्मानपूर्वक जल-पान एवं प्रसाद प्रदान करते हुए महापौर ने कहा सेवा ही सच्ची साधना है, और परिक्रमार्थियों की थकान हरना प्रभु श्रीराम की कृपा का अवसर है। परिक्रमा मार्ग पर उमड़े श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता है। सेवा कैंप के स्वयंसेवक राम नाम का संकीर्तन करते हुए प्रेम और समर्पण के साथ हर आगंतुक का स्वागत कर रहे हैं। सेवादारों का कहना है कि भक्ति, समर्पण और सेवा यही अयोध्या की पहचान है।

स्मार्टफोन से रहें दूर, अच्छी पुस्तकें होती हैं सच्ची साथी: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने पुस्तक महोत्सव 2025 का किया शुभारंभ, बच्चों को दिए टिप्स

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) कैंपस में आयोजित गोरखपुर पुस्तक महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। यह महोत्सव एक से नौ नवंबर तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी) और डीडीयू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। शुभारंभ के मौके पर सीएम योगी ने बच्चों को पुस्तकें बांटीं। उन्होंने स्कूली विद्यार्थियों से संवाद भी किया। सीएम ने कहा कि व्यक्ति की सबसे सही मार्गदर्शक और सच्ची साथी अच्छी पुस्तकें होती हैं। उन्होंने बच्चों से स्मार्ट फोन की बजाए अच्छी पुस्तकों में अपने समय का निवेश करने की अपील की। सीएम ने भारत की श्रवण परंपरा और गुरु-शिष्य परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे ऋषियों ने ज्ञान को लिपिबद्ध कर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की अद्भुत परंपरा विकसित की।

उन्होंने कहा कि यह पुस्तक महोत्सव आने वाले 9 दिनों तक 200 से अधिक स्टॉलों के माध्यम से गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को अपनी रुचि की पुस्तकें खरीदने का शानदार अवसर प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पीएम मोदी हमेशा कहते हैं वेन सिटिजन, कंट्री लीड यानी जब नागरिक पढ़ते हैं तभी देश आगे बढ़ता है।

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर की भूमि इसलिए भी विशेष है क्योंकि पिछले 100 वर्षों से गीता प्रेस भारत और विश्व में सनातन धर्म की विचारधारा को अपनी पुस्तकों के माध्यम से पहुंचा रहा है। उन्होंने साहित्यकार फिराक गोरखपुरी, मुंशी प्रेमचंद, प्रो. विश्वनाथ त्रिपाठी जैसे लेखकों का स्मरण किया और हाल ही में दिवंगत साहित्यकार श्रीराम दरस मिश्र को श्रद्धांजलि दी।

स्मार्टफोन पर निर्भरता अवसाद, विचलन बढ़ा रही

मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि वे स्मार्टफोन पर अनावश्यक समय व्यर्थ न करें और अपने समय का सदुपयोग पुस्तकों के अध्ययन में करें। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन पर निर्भरता युवाओं में अवसाद और विचलन बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री मोदी की पुस्तक एग्जाम वारियर्स छात्रों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शक है। इसे हर विद्यार्थी को पढ़ना चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अच्छी पुस्तकें न केवल परीक्षा में मदद करती हैं बल्कि जीवन के कठिन समय में भी मार्गदर्शन देती हैं।

सैमसंग इनोवेशन सेरेमनी: तकनीक से सशक्त होगा देश

बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित सैमसंग इनोवेशन कैंपस सेरेमनी 2025 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत आज विश्व पटल पर नई पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश न केवल आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है, बल्कि डिजिटल और तकनीकी शक्ति के रूप में भी उभर रहा है। उन्होंने कहा कि सैमसंग इनोवेशन कैंपस जैसे कार्यक्रम युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें रोजगार, नवाचार और स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

बच्चों और आंगनबाड़ी दीदियों को किया सम्मानित

इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आंगनबाड़ी दीदियों को सम्मानित किया। इसमें निशा, चिंता, प्रेमलता, पुष्पा, बिंद्रावती को मुख्यमंत्री ने पुस्तकें भेंटकर सम्मानित किया। वहीं एनबीटी और डीडीयू की ओर से आयोजित प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को सम्मानित किया गया। इसमें श्रीजा शरण, अभय वर्मा, रश्मिका दुबे, आदेश कुंवर सिंह, दिव्या विश्वकर्मा, शिवम कुमार गुप्ता, तोषिका चौहान, शिवांगी पांडेय, निलय कुमार, अभिषेक सिंह, देवानंद गुप्ता और आयुष किशोर को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सांसद रविकिशन शुक्ला, विधायकगण विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ला, श्रीराम चौहान, श्रवण निषाद, विमलेश पासवान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

हमारी सरकार प्रदेश में पुस्तकालयों का बिछा रही जाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकें हमेशा नई प्रेरणा देती हैं। हमें उनसे जुड़ना चाहिए। अगले 9 दिनों में यहां अनेक विमर्श, परिचर्चा, पुस्तकों के विमोचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। गोरखपुर विश्वविद्यालय के साथ शहर की सभी संस्थाओं को इसमें भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्यभर में पुस्तकालयों का जाल बिछा रही है। प्रदेश की 57,600 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालयों के साथ पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं। 1.56 लाख से अधिक प्राथमिक विद्यालयों में से 1.36 लाख विद्यालयों का कायाकल्प किया गया है, जिनमें पुस्तकालय और डिजिटल लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई है।

मृत भेड़ों का अविलंब मुआवजा जारी करे प्रशासन: मणेन्द्र

लगभग 150 भेड़ों की हुई मृत्यु, पशु पालक भी घायल

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

शोहरतगढ़। समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा 'मशाल' ने शोहरतगढ़ के बढ़नी ब्लॉक में भरौली के पास ट्रक द्वारा दुर्घटना में लगभग 150 भेड़ों की कुचलकर मृत्यु हो जाने की जानकारी मिलने पर आज सुबह घटनास्थल पहुंचकर पीड़ितों से भेंट कर संवेदना व्यक्त किया। मिश्रा ने उच्चाधिकारियों से फोन पर बात कर मृत भेड़ों की मुआवजा राशि अविलंब उपलब्ध कराने का आग्रह किया। साथ ही पशु अस्पताल में पशु चिकित्सक से बात कर भेड़ों का पोस्टमार्टम सुनिश्चित कराने को लेकर सक्रिय रहे।

मिश्रा ने पीड़ित परिजनों को सांत्वना देते हुए आश्वस्त किया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल के सहयोग से हर संभव सहयोग किया जाएगा जिससे पशु पालक परिवार का दुःख कम हो सके।

मणेन्द्र मिश्रा ने कहा कि ढेबरुआ निवासी श्री बुधई पाल और चिनगुद पाल की आजीविका का एक मात्र साधन भेड़ें ही थी। कल देर शाम बढ़नी की तरफ से आ रहे ट्रक ने 150 के लगभग भेड़ों को कुचल दिया जिसमें सौ से अधिक की तत्काल मृत्यु हो गई जबकि 30 से अधिक भेड़ें घायल होकर जीवन/मृत्यु के बीच झूल रही है। इस दुर्घटना में पीड़ित भेड़ पालक बाल बाल बचे। जो अभी भी घायल हैं। जिले के इतिहास में पशुओं से जुड़ी ऐसी दुर्घटना शायद ही कभी प्रकाश में आई हो।

समाजवादी पार्टी की ओर से सर्वश्री शकील शाह जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक, सैनिक प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष गोपाल फौजी, राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा अजय चौरसिया, सेक्टर प्रभारी मकबूल,संदीप साहनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बलिया खाद्यान्न घोटाले के आरोपी अधिकारी को ईओडब्लू ने दबोचा

तीन करोड़ से ज्यादा हुआ था घोटाला, थानों में 43 मुकदमे हुए थे दर्ज

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बलिया खाद्यान्न घोटाले के आरोपी तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी राज कुमार दुबे को ईओडब्लू ने बरेली से गिरफ्तार किया है। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन के अनुसार गिरफ्तार आरोपी बलिया के बांसडीह थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद का निवासी है। तत्कालीन ग्राम पंचायत विकास अधिकारी था। बलिया खाद्यान्न घोटाले में कुल 43 मुकदमें बलिया के विभिन्न थानों पर दर्ज हुआ है, जिसमें लगभग कुल 03 करोड़ 45 लाख का घोटाला हुआ था।

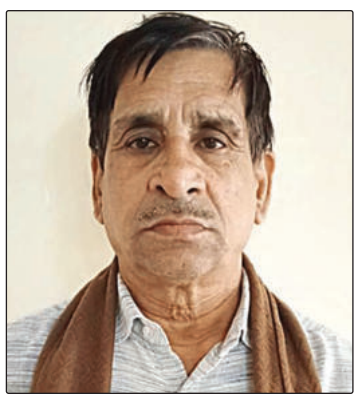

वर्ष 2002 से 2005 के मध्य जनपद बलिया में केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना अन्तर्गत के विकास खण्ड बांसडीह के विभिन्न गावों में ग्राम पंचायत अंश से नाली निर्माण, खड़न्जा निर्माण, पटरी मरम्मत सम्पर्क मार्ग पर मिट्टी कार्य सीसी रोड और पुलिया निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित था जिसमें लगे मजदूरों को कार्य के बदले खाद्यान्न (चावल) आवंटित कराया जाना था किन्तु अभियुक्तगण द्वारा वास्तविक मजदूरों को खाद्यान्न वितरित न कर कालाबाजारी कर गबन कर लिया गया।

फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, ग्राम पंचायत अधिकारी समेत पांच अरेस्ट

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। यूपी एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। हरदोई का ग्राम पंचायत अधिकारी सालों से फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने का गिरोह चला रहा था। एसटीएफ ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत अधिकारी को दुबग्गा और उसके चार साथियों को गोण्डा से गिरफ्तार कर लिया। चार आरोपी एक ही परिवार के हैं। इनमें दो भाई, उनका पिता और परिवार का एक अन्य सदस्य है। गिरोह अब तक 1.40 लाख जन्म और 25 हजार से अधिक मृत्यु प्रमाणपत्र बना चुका था। यह प्रमाणपत्र हूबहू सरकारी जैसे ही दिखते थे। इनका प्रयोग जमीनों के बैनामे, वसीयत और धोखाधड़ी में किया जा रहा था।

एसटीएफ के डिप्टी एसपी सुधांशु शेखर के मुताबिक गिरफ्तार गिरोह का सरगना व ग्राम पंचायत अधिकारी लाल बिहारी है। वह मूल रूप से लखनऊ में कृष्णानगर भोलाखेड़ा सुभाषनगर का रहने वाला है। वह हरदोई जनपद के अहरौली में तैनात है। अन्य साथियों में गोण्डा के मोतीगंज बैरिया विशुनपुर इमिलिया बिटोरा का रहने वाला रवि वर्मा, उसका भाई सोनू वर्मा, पिता वंशराज और सत्यरोहन हैं। लाल बिहारी इन्हीं लोगों से फर्जी प्रमाणपत्र बनवाता था।

बीते दिनों जानकारी हुई थी कि ये लोग फर्जी वेबसाइट, सॉफ्टवेयर एवं पोर्टल के जरिए फर्जी जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाते हैं। इसके बाद दरोगा नरेंद्र सिंह और उनकी टीम को लगाया गया। टीम को शुक्रवार को सूचना मिली कि गिरोह का सरगना हरदोई से कार से लखनऊ आ रहा है। टीम ने उसे दुबग्गा चौराहे से धर दबोचा। पूछताछ में रवि उसके भाई, पिता व अन्य के बारे में जानकारी हुई। उसके बाद गोण्डा से रवि, उसके भाई, पिता और एक अन्य को गिरफ्तार किया गया। चार मोबाइल फोन, 14 आयुष्मान कार्ड, सात एटीएम कार्ड, 25 जन्म प्रमाणपत्र, पांच मृत्यु प्रमाणपत्र, 27,690 रुपये, ड्राइविंग लाइसेंस, हार्ड डिस्क व एक कार बरामद की गई है।